आज़ादी का अमृत महोत्सव

संचार के लिए युक्तियाँ
Tips for Communication

Face-to-face communication and eye contact

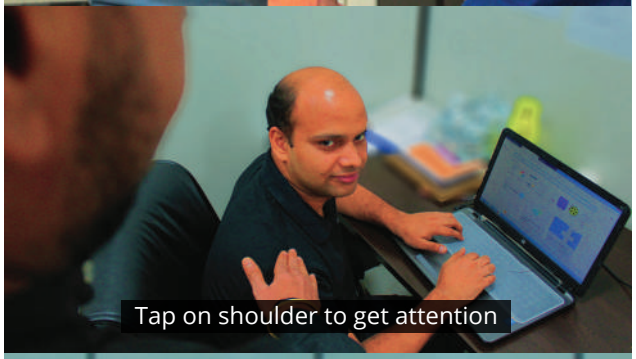
Tap on shoulder to get attention

Do not hold anything in your hand while signing.

In group conversations, arrange seats so that everyone can see each other clearly.

COMMUNICATION WITH DEAF PERSONS

Other tips for communication:

- Use gestures, facial expressions, etc.
- Try to communicate by writing on paper or typing on mobile.

Communication when an ISL interpreter is present:

- Talk directly to the deaf person, not to the interpreter.
- Avoid phrases like "Tell her," and "Explain to him."
- An interpreter only conveys what is spoken /signed and does not participate in the conversation or contribute to the conversation.
- In group conversations, one person should speak/ sign at a time.
- The interpreter should be located close to the speaker. This allows the Deaf individual to see both the speaker and the interpreter easily.
- Try to avoid personal conversations with the interpreter during a professional situation.
- Don't ask the interpreter to stop signing or to not interpret some of what you say.
- Give the interpreter a copy of presentations and any other materials ahead of time.
- The interpreter is not a companion, guide, tutor or helper.
- If the assignment is for more than one hour, two interpreters should be hired.
- There should not be any visual interference while interpreting.
- While interpreting, do not disturb the interpreter by asking him/her to do any other work.

If you are interested in learning more about ISL, please contact ISLRTC:

स्वावलम्बन
Swavlamban

G20 भारत 2023 INDIA

बधिरजन के साथ संवाद जानकारी

संचार के लिए अन्य युक्तियाँ

- इशारो, चेहरे के हाव-भावों इत्यादि का प्रयोग करें।
- मोबाइल पर टाइप करके या लिख कर बात करने का प्रयास करें।

आईएसएल दुभाषिया की उपिस्थिति में सम्प्रेषणः

- सीधे बधिर व्यक्ति से बातचीत करें, दुभाषिया से नहीं।
- 'उसको बताओ', और 'उसको समझाओ' जैसे वाक्यों का प्रयोग नहीं करें।
- एक दुभाषिया केवल वही बताता है जो बोला गया है/संकेत किया गया है, और वो वार्तालाप मैं भाग नहीं लेता है या वार्तालाप में योगदान नहीं देता है।
- सामूहिक बातचीत में, एक समय में एक ही व्यक्ति को बात/संकेत करना चाहिए।
- दुभाषिया को वक्ता के नजदीक स्थित होना चाहिये द्य इस स्थित में बधिर व्यक्ति, वक्ता और दुभाषिये दोनों को एक साथ आसानी से देख सकता है।
- औपचारिक परिवेश में दुभाषिये के साथ व्यक्तिगत बातचीत करने से बचें ।
- दुभाषिया को संकेत न करने के लिए या फिर आप जो कुछ कह रहे हैं उसे सांकेतिक भाषा में न बताने को मत कहें।
- दुभाषिया को प्रस्तुतियों और किसी भी अन्य सामग्री की एक प्रति समय से पहले दें।
- दुभाषिया एक साथी, गाइड शिक्षक या सहायक नहीं है।
- यदि कोई कार्य एक घंटे से ज्यादा का है तो दो दुभाषियों को रखें।
- व्याख्या करते समय कोई दृश्य हस्तछेप नहीं होना चाहिये।
- यदि कोई कार्य एक घंटे से ज्यादा का है तो दुभाषियों को रखें।
- व्याख्या करते समय, किसी प्रकार का दृश्यात्मक व्यवधान नही होना चाहिए।
- व्याख्या करते समय, दुभाषिये को किसी अन्य काम करने के लिए कहकर परेशान न करें।

यदि आप आईएसएल के बारे में अधिक जानने में रुचि रखते हैं, तो कृपया आईएसएलआरटीसी से संपर्क करें:

भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार
मॉड्यूल नंबर 403–405, चतुर्थ तल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क,
ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली - 110020
दूरभाषः 011–26327558 / 50

http://islrtc.nic.in/ islrtcnewdelhi@gmail.com @islrtc @islrtc ISLRTC NEW DELHI